कक्षा - 8

पाठ - झूठ बराबर तप नहीं

प्रश्नों के उत्तर -

मौखिक -

प्र01.हमारे शास्त्रों में झूठ के बारे में क्या लिखा है?

उ0-जबतक जान जाने की नौबत न आ जाए तब तक झूठ नहीं बोलना चाहिए ।

प्र02.लेखक के अनुसार दुनियादारी किसे कहते है?

उ0-सफ़ाई से झूठ बोलना ही दुनियादारी है।

प्र0-3.झूठ बोलने की कला के आगे लेखक ने किन कलाओं को बेकार बताया है।

उ0-चित्रकारी ,संगीत एवं कविता को बेकार बताया है।

प्र04.लेखक और उसके साथी बाबू छुट्टी लेने के लिए क्या करते थे?

उ0-पड़ोसी डॉक्टर की जेब में पचास-पचास के नोट डालते थे।

प्र05.दिल्ली स्टेशन पर उतरकर लेखक के होश क्यों फ़ाख्ता हो गए?

उ0-किसी होशियार ने उनकी जेब से मनीबैग साफ़ कर दिया।

लिखित - लघुत्तरीय प्रश्न

प्र01.लेखक किस तरीके से झूठ बोलना सीखने को कहते हैं

उ0-वैज्ञानिक तरीके से झूठ बोलना सीखने के लिए कहते हैं।

प्र02.लेखक माता -पिता,पुत्र-कलत्र आदि रिश्तों व जग व्यवहार के विषय में क्या कहता है ?

उ0-सारे रिश्ते एवं जग व्यवहार झूठे हैं ।

प्र03.लेखक किसके बिना यौवन को किरकिरा मानता है?

उ0-रूप के बिना यौवन किरकिरा है ।

प्र०4.जिस व्यक्ति को अपनी नाक का ख़्याल नहीं, उसके बारे में लेखक का क्या कहना है?

उ०-यदि मुश्किल घड़ी में व्यक्ति रिश्तेदारी न निभाए,जिस व्यक्ति को अपनी प्रतिष्ठा का ख्याल न हो तो वह आदमी नहीं ।

प्र०-टिकट कलक्टर ने लेखक और उसकी पत्नी को क्या समझा?

उ०-कांग्रेसी एम०पी० से ब्याही गई जज की बहन है।

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

प्र०1.सच बोलने के विषय में शास्त्रों में क्या लिखा है?

उ०-जिसने सत्य को पा लिया,उसने परमेश्वर को पा लिया। जब तक जान जाने का का खतरा न हो, तब तक झूठ नहीं बोलना चाहिए।

प्र०2.लेखक ने वैज्ञानिक तरीके से झूठ बोलने के क्या लाभ बताए हैं ?

उ०-जिंदगी में निराश होने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। थोड़े ही दिनों के मेहनत के बाद ही आपके पास ठाठदार बंगला, शानदार कार, झुकता हुआ अर्दली और उचकती हुई अप्सराएँ खुद नआ जाएँ तो कसम आपकी मैं आज से झूठ बोलना छोड़ सकता हूँ।

प्र०3.लेखक के अनुसार दुनिया में किसका प्रचंड बहुमत है?

उ०-दो-चार संत ,फ़क़ीर और गांधी-महात्माओं को छोड़कर झूठों के प्रचंड बहुमत हैं।

प्र०-लेखक ने बिना टिकट स्टेशन से बाहर निकलने के लिए क्या उपाय किया ?

उ० -लेखक ने झूठ का सहारा लिया।टिकट-कलेक्टर को सुनाते हुए ऐसा व्यवहार किया,मानो वे पत्नी और बच्चों को लेने स्टेशन आए हैं।

.